Brainbox learn easy

राही – मुसाफिर –Traveller- जब कोई व्यक्ति किसी स्थान पर जा रहा होता है, तो उसका रूप सामाजिक द्रष्टि मे बदल जाता है, वह एक यात्री के रूप मे हो जाता है, यात्रा करने के लिये पैदल, वाहन, जो भी साधन हों, के द्वारा सफर करना ही यात्रा कहलाता है, और जो उनके द्वारा, जा रहा होता है, यात्री कहलाता है। मानव समाज मे मानव का रूप परिवर्तन का यह सहज सत्य है। वैसे तो प्रत्येक जीव यात्रा करने के लिये ही जीवन धारण करता है, और संसार मे अपनी जीवन यात्रा को पूरा करता है, जो साथ रहकर जीवन भर या पल भर साथ चलते हैं वे ही सहयात्री कहलाते हैं।

सिपाही – योद्धा – The warrior सिपाही नेपाली, भारतीय तथा पाकिस्तानी सेना में सबसे निचले पद के सैनिक को कहा जाता है। भारतीय पैदल सेना में इन्हें राइफल मैन भी कहा जाता है। सिपाही शब्द का उपयोग मूल रूप से मुगल सेनाओं में मस्कट से लैस इन्फेंट्री सेनिकों के लिए किया जाता था।१८ वीं शताब्दी में फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी और उसके अन्य यूरोपीय समकक्षों ने भारत के भीतर स्थानीय स्तर पर सैनिकों को भर्ती करना शुरू किया, जिसमें मुख्य रूप से ''सिपाही'' के रूप में नामित पैदल सेना शामिल थी। यूरोपीय तौर–तरीकों के साथ प्रशिक्षित इन भारतीय सिपाहियों की सेनाओं में से सबसे बड़ी, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी से संबंधित थी। कुल ३ लाख सैनिकों वाली ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना के ६६ प्रतिशत के करीब सैनिक भारत के मूल निवासी थे, और इन सिपाहियों ने ही कंपनी के लिए उपमहाद्वीप को सुरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जयहिंद – जयहिंद – Jai Hind जय हिन्द विशेष रुप से भारत में प्रचलित एक देशभक्तिपूर्ण नारा है जो कि भाषणों में तथा संवाद में भारत के प्रति देशभक्ति प्रकट करने के लिये प्रयोग किया जाता है। इसका शाब्दिक अर्थ ''भारत की विजय'' है। यह नारा भारतीय क्रान्तिकारी आबिद हसन सफरानी द्वारा दिया गया था। तत्पश्चात यह भारतीयों में प्रचलित हो गया एवं नेता जी सुभाषचन्द्र बोस द्वारा आजाद हिन्द फौज के युद्ध घोष के रूप में प्रचलित किया गया।

रास्ते – पथ – Path -पथ का मतलब रास्ता होता है जिस रास्ते पर हम चलते हैं यह पथ हम खुद ही तय करते हैं कि कहाँ जाना है ।

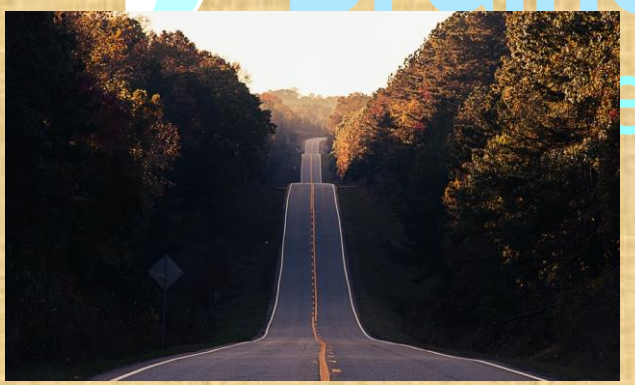

कदम – गतिक्रम – Step कोई काम करने की पहल, कोशिश।

कदम उठाना : किसी काम को करने के लिए आगे बढ़ना। कदम बढ़ाना : उन्नति करना। कदम चूम लेना : पूरा मान–सम्मान देना।

धूप – Sunlight- सूर्य – सूरज सौरमंडल के केन्द्र में स्थित एक तारा जिसके चारों तरफ पृथ्वी और सौरमंडल के अन्य अवयव घूमते हैं। सूर्य हमारे सौर मंडल का सबसे बड़ा पिंड है और उसका व्यास लगभग १३ लाख ६० हजार किलोमीटर है जो पृथ्वी से लगभग १०६ गुना अधिक है। ऊर्जा का यह शक्तिशाली भंडार मुख्य रूप से हाइड्रोजन और हीलियम गैसों का एक विशाल गोला है। परमाणु विलय की प्रक्रिया द्वारा सूर्य अपने केंद्र में ऊर्जा पैदा करता है। सूर्य से निकली ऊर्जा का छोटा सा भाग ही पृथ्वी पर पहुँचता है जिसमें से १५ प्रतिशत अंतरिक्ष में परावर्तित हो जाता है, ३० प्रतिशत पानी को भाप बनाने में काम आता है और बहुत सी ऊर्जा पेड़–पौधे समुद्र सोख लेते हैं। इसकी मजबूत गुरुत्वाकर्षण शक्ति विभिन्न कक्षाओं में घूमते हुए पृथ्वी और अन्य ग्रहों को इसकी तरफ खींच कर रखती है।

खेत – कृषि–भूमि – The Farm- कृषि खेती और वानिकी के माध्यम से खाद्य और अन्य सामान के उत्पादन से संबंधित है। कृषि एक मुख्य विकास था, जो सभ्यताओं के उदय का कारण बना, इसमें पालतू जानवरों का पालन किया गया और पौधों (फसलों) को उगाया गया, जिससे अतिरिक्त खाद्य का उत्पादन हुआ। इसने अधिक घनी आबादी और स्तरीकृत समाज के विकास को सक्षम बनाया। कृषि का अध्ययन कृषि विज्ञान के रूप में जाना जाता है तथा इसी से संबंधित विषय बागवानी का अध्ययन बागवानी (हॉर्टिकल्चर) में किया जाता है।

तकनीकों और विशेषताओं की बहुत सी किस्में कृषि के अन्तर्गत आती है, इसमें वे तरीके शामिल हैं जिनसे पौधे उगाने के लिए उपयुक्त भूमि का विस्तार किया जाता है, इसके लिए पानी के चौनल खोदे जाते हैं और सिंचाई के अन्य रूपों का उपयोग किया जाता है। कृषि योग्य भूमि पर फसलों को उगाना और चारागाहों और रेंजलैंड पर पशुधन को गड़रियों के द्वारा चराया जाना, मुख्यतः कृषि से सम्बंधित रहा है। कृषि के भिन्न रूपों की पहचान करना व उनकी मात्रात्मक वृद्धि, पिछली शताब्दी में विचार के मुख्य मुद्दे बन गए। विकसित दुनिया

में यह क्षेत्र जैविक खेती (उदाहरण पर्माकल्चर या कार्बनिक कृषि) से लेकर गहन कृषि (उदाहरण औद्योगिक कृषि) तक फैली है।

धरती – भूमि – Earth पृथ्वी (अंग्रेजीः ''अर्थ''(Earth), लातिनः''टेरा''(Terra)) सौरमंडल (सौरमण्डल) का एक ग्रह है जिसे विश्व (The World) भी कहा जाता है। यह दूरी के आधार पर सूर्य से तीसरा ग्रह है। यह एक ऐसा ग्रह है जिस पर जीवन पाया जाता है। इसकी सतह का 71ः भाग जल से तथा 29ः भाग भूमि से ढका हुआ है। इसकी सतह विभिन्न प्लेटों से बनी हुए है। इस पर पानी तीनो अवस्थाओं में पाया जाता है। इसके दोनों ध्रुवों पर बर्फ की एक मोटी परत है। रेडियोमेट्रिक डेटिंग अनुमान और अन्य सबूतों के अनुसार पृथ्वी की उत्पत्ति 4.54 अरब साल पहले हुई थी। पृथ्वी के इतिहास के पहले अरब वर्षों के भीतर जीवों का विकास महासागरों में हुआ और पृथ्वी के वायुमंडल (वायुमण्डल) और सतह को प्रभावित करना शुरू कर दिया जिससे एनारोबिक और बाद में, एरोबिक जीवों का प्रसार हुआ। कुछ भूगर्भीय साक्ष्य इंगित करते हैं कि जीवन का आरंभ 4.1 अरब वर्ष पहले हुआ होगा। पृथ्वी पर जीवन के विकास के दौरान जैवविविधता का अत्यंत (अत्यन्त) विकास हुआ। हजारों प्रजातियाँ लुप्त होती गयी और हजारों नई प्रजातियाँ उत्पन्न हुई। इसी क्रम में पृथ्वी पर रहने वाली 99ः से अधिक प्रजातियाँ विलुप्त हैं। सूर्य से उत्तम दूरी, जीवन के लिए उपयुक्त जलवायु और तापमान ने जीवों में विविधता को बढ़ाया।

तारा – तारा – Star- सूर्य भी एक तारा (Star) है जो धरती के ज्यादा नजदीक होने की बजय से बाकी सितारों से बड़ा दिखाई देता है। तारे कई प्रकार के रंगों में होते हैं परन्तु तारे का रंग उसके टेम्परेचर (Temperature) पर निर्भर करता है। ठंडे तारे का रंग लाल होता है और ज्यादा गर्म तारे का रंग नीला होता है। ... सूर्य (Sun Fact) सबसे छोटा तारा है ।

तिरंगा – तीन रंग का – Tricorn भारत के राष्ट्रीय ध्वज जिसे तिरंगा भी कहते हैं, तीन रंग की क्षैतिज पट्टियों के बीच नीले रंग के एक चक्र द्वारा सुशोभित ध्वज है। इसकी अभिकल्पना पिंगली वैंकैया ने की थी। इसे १५ अगस्त १९४७ को अंग्रेजों से भारत की स्वतंत्रता के कुछ ही दिन पूर्व २२ जुलाई, १९४७ को आयोजित भारतीय संविधान–सभा की बैठक में अपनाया गया था।

Brainbox learn easy

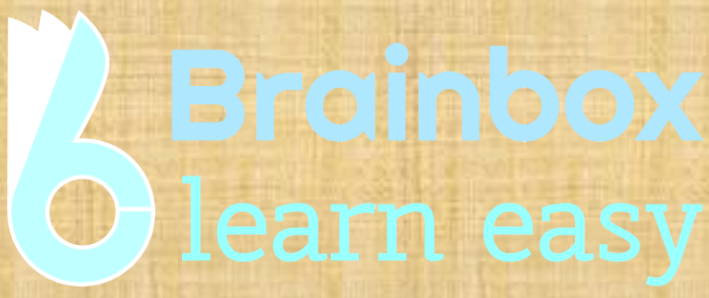
Brainbox
learn easy